

**Anandibai Raorane Arts Commerce and Science College,  
Vaibhavwadi.  
Department of Hindi  
Course Outcomes  
(Hindi Paper- Comp., I, II, III, IV, V, VI, VII, VIII)**

अ. क्र.	प्रश्नपत्र क्र. एवं प्रश्नपत्र का नाम	कक्षा / सेमिस्टर	प्रश्नपत्र की सार्थकता / सफलता / परिणाम
१.	हिन्दी अनिवार्य (सेमि.१,२)	प्रथम वर्ष कला सेमि.१ सेमि.२	<ul style="list-style-type: none"> <li>● हिन्दी भाषा के प्रति छात्रों में रुचि निर्माण हुई।</li> <li>● भाषा के स्वरूप की जानकारी प्राप्त हुई।</li> <li>● भाषा शिक्षा का महत्व समझ में आया।</li> <li>● बदलते भाषाई परिवेश में परंपरागत भाषाई मौलिकता और लोकभावनाओं की जानकारी प्राप्त हुई।</li> <li>● छात्रों में लेखन कला, श्रवण कला, पठन कला कौशल का विकास हुआ।</li> </ul>
२.	हिन्दी ऐच्छिक-१ (सेमि.१,२)	प्रथम वर्ष कला सेमि.१ सेमि.२	<ul style="list-style-type: none"> <li>● हिन्दी साहित्य की कहानी और उपन्यास विधा का परिचय हुआ।</li> <li>● कथा साहित्य की लेखन शैली का परिचय हुआ।</li> <li>● साहित्य के माध्यम से छात्रों की चिंतन तथा लेखन कौशल की क्षमता विकसित हुई।</li> <li>● चित्रित पात्रों के माध्यम से छात्रों में सही और गलत को परखने की क्षमता विकसित हुई।</li> </ul>
३.	हिन्दी प्रश्नपत्र-२ मध्यकालीन एवं आधुनिक काव्य (सेमि.३) आधुनिक हिन्दी गद्य (सेमि.४)	द्वितीय वर्ष कला सेमि.३ सेमि.४	<ul style="list-style-type: none"> <li>● मध्यकालीन एवं आधुनिक काव्य के माध्यम से छात्र परिष्कृत हुए।</li> <li>● कालानुरूप काव्य में आए परिवर्तनों की जानकारी छात्रों को हुई।</li> <li>● निबन्ध साहित्य की लेखन शैली का परिचय हुआ।</li> <li>● छात्रों को नाटक के जरिए आधुनिक अवधारणा का परिचय हुआ।</li> </ul>
४.	हिन्दी प्रश्नपत्र-३ प्रयोजनमूलक हिन्दी (सेमि.३) जनसंचार माध्यम (सेमि.४)	द्वितीय वर्ष कला सेमि.३ सेमि.४	<ul style="list-style-type: none"> <li>● छात्रों को हिन्दी के व्यावहारिक ज्ञान का परिचय हुआ।</li> <li>● रचनाओं में व्यक्त समस्याओं के समाधान के लिए छात्र प्रेरित होकर उनमें नैतिक मूल्यों का विकास हुआ।</li> <li>● छात्रों को पारिभाषिक शब्दावली के माध्यम से प्रयोजनमूलक हिन्दी के स्वरूप का परिचय हुआ।</li> </ul>
५.	हिन्दी प्रश्नपत्र-४ हिन्दी साहित्य का इतिहास (सेमि.५) आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास (सेमि.६)	तृतीय वर्ष कला सेमि.५ सेमि.६	<ul style="list-style-type: none"> <li>● हिन्दी साहित्य के बृहत् इतिहास का परिचय हुआ।</li> <li>● हिन्दी साहित्य के सृजन की पृष्ठभूमि की जानकारी प्राप्त हुई।</li> <li>● साहित्यिक प्रवृत्तियों की परंपरा की जानकारी प्राप्त हुई।</li> <li>● आधुनिक साहित्य के माध्यम से जीवन मूल्यों एवं जीवन दर्शन की जानकारी मिली।</li> <li>● छात्रों को हिन्दी साहित्य के विविध काल की प्रवृत्तियों की जानकारी अवगत हुई।</li> </ul>

*(Signature)*  
Principal

Anandibai Raorane Arts, Commerce  
& Science, College, Vaibhavwadi

६.	हिन्दी प्रश्नपत्र-५ स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य (सेमि.५,६)	तृतीय वर्ष कला सेमि.५ सेमि.६	<ul style="list-style-type: none"> <li>● स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य के बृहत् इतिहास का परिचय हुआ।</li> <li>● स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य के सृजन की पृष्ठभूमि की जानकारी प्राप्त हुई।</li> <li>● स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्यिक प्रवृत्तियों की परंपरा की जानकारी प्राप्त हुई।</li> <li>● छात्रों को स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य के विविध कवियों एवं गद्यकारों की जानकारी प्राप्त हो गई।</li> </ul>
७.	हिन्दी प्रश्नपत्र-६ सूचना प्रौद्योगिकी (सेमि.५) सोशल मीडिया (सेमि.६)	तृतीय वर्ष कला सेमि.५ सेमि.६	<ul style="list-style-type: none"> <li>● प्रौद्योगिकी के युग में हिन्दी भाषा की उपयोगिता समझ में आयी।</li> <li>● छात्रों को हिन्दी की संवैधानिक स्थिति अवगत हो गई।</li> <li>● छात्रों को हिन्दी भाषा के प्रयुक्त क्षेत्रों का परिचय हो गया।</li> <li>● छात्रों में व्यवसायाभिमुख कौशल का विकास हुआ।</li> <li>● छात्र रोजगार के अवसरों से परिचित होकर प्रेरित हुए।</li> </ul>
८.	हिन्दी प्रश्नपत्र-७ साहित्य समीक्षा छंद एवं अलंकार (सेमि.५,६)	तृतीय वर्ष कला सेमि.५ सेमि.६	<ul style="list-style-type: none"> <li>● साहित्य का शास्त्रिय पध्दति से अध्ययन हुआ।</li> <li>● साहित्यशास्त्र का महत्व प्रतिपादित हुआ।</li> <li>● छात्रों में साहित्य के प्रति शास्त्रिय दृष्टिकोन विकसित हुआ।</li> <li>● आलोचना की मानवीय सहज प्रवृत्तियों की जानकारी अवगत हो गई।</li> </ul>
९.	हिन्दी प्रश्नपत्र-८ भाषाविज्ञान हिन्दी भाषा और हिन्दी व्याकरण (सेमि.५,६)	तृतीय वर्ष कला सेमि.५ सेमि.६	<ul style="list-style-type: none"> <li>● हिन्दी भाषा के प्रति छात्रों में रुचि उत्पन्न हुई।</li> <li>● भाषाई वैविध्य वाले भारत देश में हिन्दी का महत्व समझ में आया।</li> <li>● हिन्दी भाषा की व्याकरणिक कोटियाँ समझ में आ गई।</li> <li>● छात्रों में हिन्दी साहित्य के प्रति अभिरुचि संवर्धित हुई।</li> </ul>
१०.	हिन्दी प्रश्नपत्र-९ आधुनिक हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि (सेमि.५,६)	तृतीय वर्ष कला सेमि.५ सेमि.६	<ul style="list-style-type: none"> <li>● छात्रों को विविध सामाजिक समस्याएँ अवगत हो गई।</li> <li>● सामाजिक समस्याओं के समाधान के लिए छात्र प्रेरित हो गए।</li> <li>● समकालीन साहित्य का परिचय हो गया।</li> <li>● साहित्य पर हुआ गांधीवादी और मार्क्सवादी विचारधारा का प्रभाव समझ में आ गया।</li> <li>● दलित साहित्य की अवधारणा का परिचय हो गया।</li> <li>● छात्रों में जन चेतना जागृत हुई।</li> </ul>

*(Signature)*

Principal

Anandibai Raorane Arts, Commerce  
& Science, College, Vaibhavwadi